उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान, बिलासपुर

Institute of Advanced Studies in Education

Bilaspur (C.G.)

M. Ed.

Dr. Vidya Bhushan Sharma
M.A. Eng., Phil., Psy., M.B.A, M.Lib,
M.Phil., M.Ed., PhD. Education
Post Graduate Certificate in Research Methodology
Lecturer
Institute of Advanced Studies in Education
Bilaspur (C.G.)

उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान, बिलासपुर

Institute of Advanced Studies in Education

Bilaspur (C.G.)

JOURNAL AND ABSTRACT

Dr. Vidya Bhushan Sharma
M.A. Eng., Phil., Psy., M.B.A, M.Lib,
M.Phil., M.Ed., PhD. Education
Post Graduate Certificate in Research Methodology
Lecturer
Institute of Advanced Studies in Education
Bilaspur (C.G.)

जर्नल Journal

जर्नल प्रकाशन की शुरुआत 17वीं शताब्दी में हुई थी। पहला विद्वतापूर्ण जर्नल 1665 में प्रकाशित हुआ था, जिसे "Journal des sçavans" कहा जाता है। इसे फ्रांस में डेनिस डी सलो (Denis de Sallo) द्वारा शुरू किया गया था और इसका उद्देश्य साहित्य, विज्ञान, और कला के विभिन्न क्षेत्रों में हुए नए अनुसंधानों को साझा करना था।

जर्नल एक प्रकार का विद्वतापूर्ण या शैक्षणिक प्रकाशन होता है, जिसमें किसी विशेष विषय या क्षेत्र से संबंधित शोधपत्र, लेख, समीक्षा, और अध्ययन शामिल होते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य किसी क्षेत्र में नवीनतम शोध, ज्ञान और जानकारी का प्रसार करना होता है। जर्नल्स नियमित रूप से (मासिक, त्रैमासिक, अर्धवार्षिक या वार्षिक) प्रकाशित होते हैं और इनमें प्रकाशित सामग्री को सहकर्मी समीक्षा (peer review) प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, जिससे इसकी गुणवत्ता और सटीकता सुनिश्चित होती है।जर्नल्स का उपयोग शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों, शिक्षकों, और छात्रों द्वारा किया जाता है ताकि वे किसी विषय पर गहन अध्ययन कर सकें और उस क्षेत्र में हुए नए अनुसंधान से अवगत हो सकें।

जर्नल्स के कई प्रकार होते हैं, जो उनके उद्देश्य, सामग्री, और लक्षित पाठक समूह के आधार पर भिन्न होते हैं। यहाँ प्रमुख जर्नल्स के प्रकार दिए गए हैं:

1. शैक्षणिक या अकादमिक जर्नल्स (Academic Journals): ये जर्नल्स उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में होते हैं और किसी विशेष शैक्षिक विषय पर गहन शोध, अध्ययन और समीक्षा प्रकाशित करते हैं। इनमें दिए गए लेख अकादमिक शोधकर्ता, प्रोफेसर और छात्र के लिए होते हैं।

उदाहरण: Journal of Educational Research, Journal of Applied Psychology

2. वैज्ञानिक जर्नल्स (Scientific Journals): ये जर्नल्स विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में शोधपत्र और अध्ययन प्रस्तुत करते हैं। इनमें जीवविज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, और चिकित्सा जैसे विज्ञान के विषयों पर शोधपत्र होते हैं।

उदाहरण: Nature, Science, The Lancet

3. व्यावसायिक या पेशेवर जर्नल्स (Professional Journals): ये जर्नल्स किसी विशेष व्यवसाय या उद्योग से जुड़े होते हैं और व्यावसायिक अनुसंधान और नवीनतम तकनीकी जानकारी प्रकाशित करते हैं। यह पेशेवरों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए होते हैं।

उदाहरण: Harvard Business Review, IEEE Transactions on Engineering Management

4. समीक्षा जर्नल्स (Review Journals) : ये जर्नल्स किसी विशेष क्षेत्र में प्रकाशित हुए पिछले शोधपत्रों की समीक्षा और विश्लेषण प्रदान करते हैं। यह किसी विषय पर समग्र जानकारी देने के लिए होते हैं और शोधकर्ताओं को उस क्षेत्र में प्रगति से अवगत कराते हैं।

उदाहरण: Annual Review of Sociology, Nature Reviews Genetics

5. ओपन एक्सेस जर्नल्स (Open Access Journals) : ये जर्नल्स किसी भी पाठक के लिए मुफ्त में उपलब्ध होते हैं। इनमें प्रकाशित शोध पत्र और लेख ओपन एक्सेस मॉडल पर आधारित होते हैं, जिससे कोई भी व्यक्ति बिना सब्सक्रिप्शन के इन्हें पढ़ सकता है।

उदाहरण: PLOS ONE, BMC Biology

6. मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल्स (Multidisciplinary Journals): ये जर्नल्स कई विषयों या क्षेत्रों में शोध पत्र प्रकाशित करते हैं। इनमें विभिन्न विषयों से जुड़े शोध शामिल होते हैं और यह पाठकों को व्यापक ज्ञान प्रदान करते हैं।

उदाहरण: Science, Proceedings of the National -cademy of Sciences (PN-S)

7. विशेषज्ञ जर्नल्स (Specialized Journals): ये जर्नल्स किसी विशेष क्षेत्र या उद्योग से संबंधित होते हैं और केवल उस विशेष विषय से जुड़े लेख और शोधपत्र प्रकाशित करते हैं।

उदाहरण: Journal of Organic Chemistry, Journal of Child Psychology and Psychiatry

8. सामाजिक विज्ञान जर्नल्स (Social Science Journals): ये जर्नल्स समाजशास्त्र, मानविकी, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान आदि विषयों पर आधारित शोध पत्र और अध्ययन प्रकाशित करते हैं।

उदाहरण: – merican Journal of Sociology, Journal of Political Science

9. प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग जर्नल्स (Technology and Engineering Journals) : ये जर्नल्स प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में किए गए नवीनतम शोध और आविष्कारों को प्रस्तुत करते हैं। ये जर्नल्स इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए होते हैं।

उदाहरण: IEEE Spectrum, Journal of Engineering and Technology Management ये जर्नल्स शोधकर्ताओं, पेशेवरों, और छात्रों के लिए महत्वपूर्ण स्रोत होते हैं और उन्हें किसी विशेष विषय पर गहन जानकारी और नवीनतम शोध परिणाम प्रदानकरतेहैं।

पीयर रिव्यू (Peer Review) : पीयर रिव्यू से तात्पर्य एक ऐसी प्रक्रिया से है, जिसमें किसी शोध पत्र, लेख, या शोध कार्य को उसी क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा के लिए भेजा जाता है, ताकि उसकी गुणवत्ता, सटीकता, वैधता, और मौलिकता का आकलन किया जा सके। इस प्रक्रिया में शोध पत्र को उसके क्षेत्र से संबंधित विद्वानों या विशेषज्ञों द्वारा परखा जाता है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि शोध में दी गई जानकारी विश्वसनीय और सटीक है।

UGC CARE (University Grants Commission - Consortium for Academic and Research Ethics) एक पहल है जिसे भारतीय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा 2019 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अनुसंधान पत्रिकाओं के प्रकाशन में नैतिकता और अखंडता को बढ़ावा देना है। UGC C-RE का मुख्य कार्य भारत में प्रकाशित होने वाली शोध पत्रिकाओं की एक सूची को बनाए रखना और अपडेट करना है, जो गुणवत्ता और विश्वसनीयता के मानकों पर खरी उतरती हैं।

Scopus एक बड़ा और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध डेटाबेस है, जिसका संचालन Elsevier द्वारा किया जाता है। यह शोध लेख, सम्मेलनों के पेपर, पुस्तकें, और अन्य शैक्षणिक दस्तावेज़ों का एक व्यापक संग्रह है, जो शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, और पेशेवरों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शोधपत्रों को सुलभ बनाता है। Scopus का उपयोग वैश्विक शोध समुदाय में अनुसंधान के विकास को ट्रैक करने, विभिन्न विषयों पर नवीनतम शोध प्राप्त करने, और शोध के प्रभाव को मापने के लिए किया जाता है।

2. प्रकाशन प्रक्रिया: जर्नल में प्रकाशित होने वाले लेखों को पहले एक समीक्षा प्रक्रिया (peer-review process) से गुजरना पड़ता है। इसमें स्वतंत्र विशेषज्ञ लेख की गुणवत्ता, वैधता और मौलिकता की जांच करते हैं। इस प्रक्रिया के बाद ही लेख को प्रकाशित किया जाता है।

3. संरचना:शोध पत्र (Research Article): इसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, उसके परिणाम, और निष्कर्ष प्रकाशित होते हैं।

समीक्षा लेख (Review Article): इसमें किसी विशेष विषय पर पिछले शोध कार्यों की समीक्षा की जाती है।

समाचार और संपादकीय (News and Editorials): ये विशेष क्षेत्र में नवीनतम घटनाओं, विकास और दृष्टिकोण को प्रस्तुत करते हैं।

पत्र और टिप्पणियां (Letters and Communications): पाठक, लेखक, और शोधकर्ता जर्नल के लेखों पर अपनी राय और सुझाव साझा कर सकते हैं।

4. प्रकाशन का अंतराल:साप्ताहिक (Weekly): जैसे कुछ विज्ञान जर्नल हफ्ते में एक बार प्रकाशित होते हैं।

मासिक (Monthly): मासिक रूप से प्रकाशित जर्नल, हर महीने नए अंक प्रदान करते हैं।

त्रैमासिक (Quarterly): ये जर्नल हर तीन महीने में एक बार प्रकाशित होते हैं।

अर्धवार्षिक (Biannual) और वार्षिक (Annual): ये जर्नल साल में दो या एक बार प्रकाशित होते हैं।

5. उद्देश्य : ज्ञान और शोध का प्रसार: जर्नल का मुख्य उद्देश्य किसी विशेष क्षेत्र में किए गए नए अनुसंधान, प्रयोग और निष्कर्षों को साझा करना होता है।

शिक्षा: शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए नए ज्ञान और विकास से अवगत कराना।डाटा और निष्कर्षों की मान्यता: विद्वान अपने शोध को पेश करते हैं ताकि अन्य शोधकर्ता उसका उपयोग करके आगे के अनुसंधान कर सकें।

5. उपयोगकर्ता:शोधकर्ता: जो अपने शोध कार्य को प्रकाशित करने के लिए जर्नल का उपयोग करते हैं।अध्यापक और विद्यार्थी: जो नवीनतम अध्ययन और शोध से अवगत रहने के लिए जर्नल पढ़ते हैं।विशेषज्ञ और उद्योग पेशेवर: अपने क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास और अनुसंधान की जानकारी के लिए जर्नल पढ़ते हैं।

7. ऑनलाइन जर्नल:आजकल अधिकांश जर्नल ऑनलाइन रूप में भी उपलब्ध हैं। इससे शोधकर्ता और पाठक दुनिया के किसी भी कोने से आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कई ऑनलाइन जर्नल ओपन एक्सेस होते हैं, जिन्हें कोई भी व्यक्ति मुफ्त में पढ़ सकता है।

8. उदाहरण:नेचर (Nature): विज्ञान के क्षेत्र का एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।द लैंसेट (ढ्हश डरपलशीं): चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी शोध पत्र प्रकाशित करता है।खएएए ढीरपीरलींळेपी: तकनीकी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में शोध प्रकाशित करता है।

9. महत्व: जर्नल का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसमें प्रकाशित शोध कार्य वैज्ञानिक समुदाय द्वारा मान्यता प्राप्त होते हैं।जर्नल शोधकर्ताओं के करियर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि इनमें प्रकाशित होने से उनकी प्रतिष्ठा और योगदान प्रमाणित होता है। जर्नल को शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों द्वारा एक विश्वसनीय स्रोत माना जाता है, और यह किसी भी शैक्षणिक या शोध–आधारित गतिविधि काअभिन्नअंगहै।

Abstract की परिभाषा: Abstract वह संक्षिप्त विवरण है, जो किसी विस्तृत दस्तावेज़ या शोधपत्र के मुख्य उद्देश्यों, विधियों, परिणामों और निष्कर्षों को संक्षेप में प्रस्तुत करता है, ताकि पाठक को शोध की विषय-वस्तु और महत्व का त्वरित अवलोकन मिल सके।

Abstract आमतौर पर 150-300 शब्दों के बीच होता है और इसे शोध पत्र या लेख के पहले भाग में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे पाठक को यह निर्णय लेने में मदद मिल सके कि उसे पूरा दस्तावेज़ पढ़ना चाहिए या नहीं।

Abstract एक संक्षिप्त, लेकिन सटीक विवरण होता है जो किसी शोधपत्र, लेख, रिपोर्ट, या अन्य दस्तावेज़ के मुख्य बिंदुओं, उद्देश्य, विधियों, परिणामों, और निष्कर्षों का संक्षेप में वर्णन करता है। यह दस्तावेज़ का एक छोटा सारांश होता है, जिसे पाठक को यह समझने में मदद मिलती है कि पूरे लेख में क्या जानकारी दी गई है और वह उनके लिए कितना प्रासंगिक है।

Abstract की विशेषताएँ:

1. संक्षिप्त और सटीक: Abstract का उद्देश्य पाठक को त्वरित रूप से शोध के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देना है, ताकि वह यह तय कर सके कि उसे पूरा लेख पढ़ने की जरूरत है या नहीं।

2. मुख्य बिंदु: यह शोध के प्रमुख तत्वों पर केंद्रित होता है, जैसे कि:

शोध का उद्देश्य (Objective)

शोध पद्धतियाँ (Methods)

मुख्य निष्कर्ष (Results)

अध्ययन से निकले निष्कर्ष (Conclusions)

3. स्वतंत्र रूप से समझने योग्य: Abstract को इस प्रकार लिखा जाता है कि पाठक केवल इसे पढ़कर भी शोध के बारे में एक मोटा अंदाजा लगा सके, भले ही उन्होंने पूरा शोधपत्र न पढ़ा हो।

4. विषय-वस्तु की जानकारी: Abstract में विषय का विवरण होता है, जिससे पाठक को यह पता चलता है कि शोध किस दिशा में किया गया है और उसमें किस विषय पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

Abstract के प्रकार: Abstract के कई प्रकार होते हैं, जो दस्तावेज़ के प्रकार और उद्देश्य के आधार पर भिन्न हो सकते हैं:

1. वर्णनात्मक सारांश (Descriptive Abstract): यह शोध के उद्देश्य और विषय का एक संक्षिप्त विवरण देता है, लेकिन इसमें परिणाम या निष्कर्ष नहीं दिए जाते।यह आमतौर पर 100–150 शब्दों का होता है और पाठक को केवल विषय के बारे में जानकारी प्रदान करता है।उदाहरण: यह शोध शिक्षा प्रणाली में डिजिटल तकनीक के उपयोग का अध्ययन करता है। इसमें छात्रों की शिक्षा में तकनीकी नवाचारों का प्रभाव और उनकी शिक्षण प्रक्रिया में सुधार पर चर्चा की गई है।

2. सूचनात्मक सारांश (Informative Abstract): यह सबसे आम प्रकार का –लींीिरलीं है। इसमें शोध के उद्देश्य, पद्धतियाँ, परिणाम, और निष्कर्ष संक्षेप में दिए जाते हैं।यह अधिक विस्तृत होता है और आमतौर पर 150–300 शब्दों का होता है।उदाहरण: इस शोध में डिजिटल तकनीक के शैक्षिक परिणामों पर प्रभाव का अध्ययन किया गया। 200 छात्रों के डेटा का विश्लेषण किया गया और निष्कर्ष निकाला गया कि डिजिटल उपकरणों का उपयोग शिक्षा के परिणामों में सुधार करता है।

Abstract की संरचना: Abstract को प्रभावी ढंग से लिखने के लिए इसमें निम्नलिखित संरचना शामिल होनी चाहिए:

1. परिचय (Introduction): इसमें शोध का उद्देश्य और समस्या का संक्षिप्त विवरण होता है, ताकि पाठक को यह समझ आए कि शोध क्यों किया जा रहा है।

2. विधि (Methods): इसमें उस पद्धति का संक्षिप्त विवरण दिया जाता है, जिसका उपयोग शोध में किया गया है। उदाहरण के लिए, सर्वेक्षण, प्रयोग, या सांख्यिकीय विश्लेषण जैसी तकनीकों का उल्लेख किया जाता है।

3. परिणाम (Results): इसमें शोध के मुख्य निष्कर्षों को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया जाता है। यह स्पष्ट करता है कि शोध में क्या पाया गया और कौन से आंकड़े सबसे महत्वपूर्ण हैं।

4. निष्कर्ष (Conclusion): यह शोध के अंतिम निष्कर्ष का सारांश होता है, जिसमें यह बताया जाता है कि शोध के परिणामों का क्या महत्व है और उसका योगदान क्या है।

जर्नल्स और एब्सट्रैक्ट्स (सारांश) के बीच गहरा अंतर है, जो उनके उद्देश्य, सामग्री, और उपयोग के आधार पर होता है। यहाँ दोनों के बीच विस्तार से तुलना की गई है:

1. परिभाषा : जर्नल: जर्नल एक शैक्षणिक या पेशेवर प्रकाशन है, जिसमें शोधकर्ता और विद्वान अपने शोधपत्र, अध्ययन और विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। ये किसी विशेष विषय या क्षेत्र से संबंधित होते हैं और नियमित अंतराल पर प्रकाशित किए जाते हैं, जैसे मासिक, त्रैमासिक या वार्षिक।

एब्सट्रैक्ट (सारांश): एब्सट्रैक्ट किसी शोधपत्र, लेख या अध्ययन का संक्षिप्त विवरण है, जो पूरे लेख के मुख्य बिंदुओं, उद्देश्य, विधि, परिणाम और निष्कर्ष को संक्षेप में प्रस्तुत करता है। यह लेख या शोधपत्र के पहले हिस्से में दिया जाता है, ताकि पाठक यह समझ सके कि लेख में क्या है।

2. उद्देश्य: जर्नल: जर्नल का उद्देश्य किसी विशेष क्षेत्र में किए गए नवीनतम शोध और अध्ययनों को विद्वानों और शोधकर्ताओं के बीच साझा करना होता है। जर्नल्स में गहन शोध और विचार–विमर्श प्रस्तुत किया जाता है।

एब्सट्रैक्ट: एब्सट्रैक्ट का उद्देश्य शोध या लेख का एक संक्षिप्त रूप देना है ताकि पाठक जल्दी से यह निर्णय ले सके कि लेख उनके लिए प्रासंगिक है या नहीं। यह एक निचोड़ होता है, जो पूरे शोधपत्र को पढ़ने से पहले पाठक को उसकी मूल जानकारी प्रदान करता है।

3. विस्तार:जर्नल: जर्नल्स में प्रकाशित लेख या शोधपत्र बहुत विस्तृत होते हैं। इनमें अध्ययन के उद्देश्य, साहित्य समीक्षा, अनुसंधान की विधियां, डेटा संग्रहण और विश्लेषण, परिणाम, और निष्कर्ष शामिल होते हैं। लेखों का उद्देश्य विषय को विस्तार से समझाना होता है, ताकि दूसरे शोधकर्ता उस पर आगे काम कर सकें।

एब्सट्रैक्ट: एब्सट्रैक्ट बहुत संक्षिप्त होता है, जो केवल 150-300 शब्दों का होता है। इसमें शोध के केवल मुख्य बिंदु, उद्देश्य, विधियां और निष्कर्ष होते हैं। यह शोध के पूरे विवरण को एक छोटे और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करता है।

4. सामग्री: जर्नल: जर्नल्स में लेखों और शोधपत्रों के अलावा समीक्षात्मक लेख, टिप्पणियाँ, रिपोर्ट्स, और अन्य शैक्षणिक सामग्री हो सकती है। इसमें लेखों का विस्तार से विश्लेषण किया जाता है, और सामग्री अक्सर तकनीकी और जटिल होती है।

एब्सट्रैक्ट: एब्सट्रैक्ट में लेख या शोधपत्र के पूरे कंटेंट का निचोड़ होता है। इसमें केवल लेख की प्रमुख जानकारी दी जाती है, जैसे उद्देश्य, विधि, और परिणाम। इसमें गहराई से विश्लेषण या विस्तृत डेटा शामिल नहीं होते।

5. लंबाई:जर्नल: जर्नल्स में प्रकाशित लेख और शोधपत्र सामान्यत: काफी विस्तृत होते हैं। ये 10 से 50 पृष्ठ या उससे भी अधिक हो सकते हैं, यह शोध और विषय पर निर्भर करता है।

एब्सट्रैक्ट: एब्सट्रैक्ट बहुत छोटा होता है, आमतौर पर 150–300 शब्दों का। यह पूरे शोध या लेख का केवल सार प्रस्तुत करता है।

6. उपयोगकर्ता/पाठक: जर्नल: जर्नल्स का उपयोग शोधकर्ता, शिक्षक, और विशेषज्ञ अपने अध्ययन और शोध कार्य के लिए करते हैं। यह किसी विशेष विषय में गहराई से अध्ययन करने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण स्रोत होते हैं। इसमें प्रस्तुत शोध को विस्तार से समझने के लिए पाठक को पूरे लेख को पढ़ना पड़ता है।

एब्सट्रैक्ट: एब्सट्रैक्ट का उपयोग मुख्य रूप से यह तय करने के लिए किया जाता है कि पूरा लेख पढ़ना है या नहीं। शोधकर्ता और विद्यार्थी सबसे पहले एब्सट्रैक्ट पढ़ते हैं और फिर निर्णय लेते हैं कि वे उस शोधपत्र या लेख को पूरी तरह से पढ़ना चाहते हैं या नहीं।

7. कंटेंट की गहराई: जर्नल: जर्नल्स गहराई से किसी विषय का विश्लेषण और चर्चा करते हैं। इनमें विस्तृत अध्ययन, डेटा का विश्लेषण, और शोध के परिणामों का विस्तार से वर्णन होता है। यह सामग्री व्यापक और गहन होती है, जो शोधकर्ता को उस विषय की संपूर्ण जानकारी देती है।

एब्सट्रैक्ट: एब्सट्रैक्ट केवल मुख्य बिंदुओं पर आधारित होता है और पूरे लेख के विस्तृत विवरण को शामिल नहीं करता। इसमें केवल शोध का संक्षिप्त उद्देश्य, विधियां, और प्रमुख निष्कर्ष होते हैं, ताकि पाठक को शोध का त्वरित अवलोकन मिल सके।

8. प्रकाशन का तरीका:जर्नल: जर्नल एक नियमित रूप से प्रकाशित होने वाला शैक्षणिक प्रकाशन होता है, जो प्रिंट या ऑनलाइन उपलब्ध हो सकता है। इसे विश्वविद्यालयों, संस्थानों या पेशेवर संगठनों द्वारा प्रकाशित किया जाता है। हर अंक में कई लेख और शोधपत्र होते हैं।

एब्सट्रैक्ट: एब्सट्रैक्ट किसी भी शोधपत्र या लेख का हिस्सा होता है और वह उस शोधपत्र के पहले पृष्ठ पर दिया जाता है। यह स्वतंत्र रूप से प्रकाशित नहीं होता, बल्कि यह शोधपत्र के साथ ही प्रकाशित होता है।

9. प्रभाव और महत्त्व:जर्नल: जर्नल्स शैक्षणिक और पेशेवर क्षेत्रों में अनुसंधान और ज्ञान के प्रसार का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इनमें प्रकाशित लेख विद्वानों द्वारा समीक्षा किए जाते हैं, जिससे उनकी विश्वसनीयता और प्रासंगिकता सुनिश्चित होती है।

एब्सट्रैक्ट: एब्सट्रैक्ट शोधपत्र का एक आवश्यक भाग होता है, क्योंकि यह पाठक को शोधपत्र के मुख्य बिंदुओं से परिचित कराता है। इसका मुख्य उद्देश्य समय की बचत करना और पाठक को तुरंत यह बताना है कि क्या यह लेख उनके लिए उपयोगी है।

10. शोध के उपयोग:जर्नल: शोधकर्ता जर्नल्स का उपयोग अपने अध्ययन में संदर्भ सामग्री के रूप में करते हैं। वे जर्नल्स के लेखों का हवाला देकर अपनी शोध सामग्री को प्रामाणिक और विश्वसनीय बनाते हैं।

एब्सट्रैक्टः एब्सट्रैक्ट का उपयोग शोधपत्र या लेख को जल्दी समझने और यह तय करने के लिए किया जाता है कि वह अध्ययन के लिए प्रासंगिक है या नहीं। शोधकर्ता संदर्भ के लिए एब्सट्रैक्ट का उपयोग नहीं करते, बल्कि लेख का उपयोग करते हैं।

सारांशःजर्नल्स: यह एक व्यापक और विस्तृत प्रकाशन है, जिसमें किसी विशेष क्षेत्र या विषय में गहराई से अनुसंधान और अध्ययन प्रस्तुत किया जाता है। यह शोधकर्ताओं और विद्वानों के बीच विचारों और ज्ञान का प्रसार करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

एब्सट्रैक्टः यह किसी शोधपत्र या लेख का एक संक्षिप्त विवरण है, जो पूरे लेख के मुख्य बिंदुओं, विधियों और निष्कर्षों का सार प्रस्तुत करता है। इसका उद्देश्य पाठक को त्वरित रूप से लेख की सामग्री का अवलोकन प्रदान करना है, ताकि वे यह निर्णय ले सकें कि उन्हें पूरा लेख पढ़ना चाहिए या नहीं।संक्षेप में, जर्नल्स गहन अध्ययन और जानकारी का विस्तृत स्रोत हैं, जबकि एब्सट्रैक्ट संक्षेप में लेख का अवलोकन प्रदान करता है। दोनों का अपना महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन उनका उद्देश्य और उपयोग भिन्न होते हैं

धन्यवाद